RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 29 अप्रैल 2025 वर्ष 07 अंक 10 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

भायंदर : नई विकास योजना को लेकर नागरिकों में भी बढ़ती असुविधाओं और अनिश्चितता को लेकर गहरी नाराजगी...

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई : बस सेवाओं का किराया दोगुना

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के लाखों यात्रियों के लिए निराशाजनक खबर आई है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने बीईएसटी (बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट) बस सेवाओं का किराया दोगुना करने को मंजूरी दे दी है। अब नॉन-एसी बसों का न्यूनतम किराया ₹5 से बढ़ाकर ₹10 और एसी बसों का ₹6 से ₹12 कर दिया जाएगा। मुंबई के नगर आयुक्त डॉ. भूषण गगरानी ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए मीडिया को बताया कि ''किराया वृद्धि अपरिहार्य थी क्योंकि बीईएसटी की वित्तीय स्थिति बेहद गंभीर हो चुकी है''। बेस्ट जो पिछले एक दशक में बीएमसी से ₹11,000 करोड़ से अधिक की सब्सिडी ले चुकी है, लगातार घाटे से जूझ रही थी। बीएमसी ने अपनी बजटीय सीमाओं का हवाला देते हुए और फंडिंग से इनकार करते हुए, किराया बढ़ाना ही एकमात्र विकल्प माना। अब 31 लाख से अधिक दैनिक यात्रियों को अपनी जेब और ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। नए किराए ढांचे के तहत नॉन-एसी बसों में 5 किमी की दूरी के लिए ₹10 देने होंगे, जबकि पहले यह ₹5 था। इसी तरह 5-10 किमी के लिए ₹15, 10-15 किमी के लिए ₹20, 15-20 किमी के लिए ₹30 और 20-25 किमी के लिए ₹35 चुकाने होंगे। एसी बसों के किराए भी हर श्रेणी में लगभग दोगुने हो गए हैं।

मुंबई : बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट 2028 तक पूरा हो जाएगा - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबईः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट 2028 तक पूरा हो जाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने यह भी कहा कि महाविकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में बुलेट ट्रेन का काम रुका हुआ था, लेकिन अब उनकी सरकार के दौरान एक बार फिर बुलेट ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है, जिसे तीव्र गति से पूरा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में कोई भी पाकिस्तानी लापता नहीं है। महाराष्ट्र में रह रहे सभी पाकिस्तानियों की पहचान की जा चुकी है, उन्हें वापस उनके देश भेजने की प्रकिया चल रही है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना 508 किलोमीटर लंबी है। बुलेट ट्रेन के शुरू होने के बाद मुंबई से अहमदाबाद की यात्रा मात्र 2 घंटे 7 मिनट में पूरी हो जाएगी। यह परियोजना महाराष्ट्र, गुजरात और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरेगी। राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) इस परियोजना का क्रियान्वयन कर रहा है। जापान की शिंकानसेन तकनीक पर

आधारित यह ट्रेन 320 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी, जबकि इसकी अधिकतम गति 350 किमी प्रति घंटा है। महाराष्ट्र में इस परियोजना के लिए 154.76 किलोमीटर लंबा मार्ग है, जिसमें मुंबई (बीकेसी), ठाणे, विरार और बोईसर स्टेशन हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में कोई भी पाकिस्तानी लापता नहीं है। हमारे पास सभी की सूची है। पाकिस्तान से महाराष्ट्र आए नागरिकों की तलाश जारी है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि केंद्र के आदेश का पालन करने वाले पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़ देंगे।इससे पहले उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि महाराष्ट्र में 107 पाकिस्तानी नागरिक लापता हैं।

मुंबई : एमडी ड्रग्स फैक्ट्री में छापा; 4 किलो ड्रग्स जब्त

मुंबई : महाराष्ट्र के मुंबई में पुलिस ने एमडी ड्रग्स फैक्ट्री में छापा मारा। पुलिस ने छापेमारी कर 4 किलो ड्रग्स जब्त किया, जिसकी कीमत करोड़ों की है। साकीनाका पुलिस ने वसई में एक सीमेंट कंपनी में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री पर छापा मारा, जिसमें 8 करोड़ रुपये की कीमत की 4 किलो ड्रग्स जब्त की गई। साकीनाका पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। साकीनाका पुलिस ने तीन संदिग्धों सादिक शेख, सिराज पंजवानी और सैयद ईरानी को गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी अभी भी फरार है, और पुलिस उसकी तलाश जारी रखे हुए है।

मुंबई : ईडी ऑफिस में लगी आग गंभीर मुद्दा - सुप्रिया सुले

मुंबई : ईडी कार्यालय में रविवार को भीषण आग लग गई थी। इस आग में ईडी ऑफिस में रखे कई डॉक्यूमेंट आदि जलकर राख हो गए। इस मामले को लेकर एनसीपी (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने ईडी ऑफिस में लगी आग को गंभीर मुद्दा करार दिया। साथ ही आग बुझाने में अग्निशमन विभाग द्वारा लगाए गए समय पर भी सवाल उठाए। जानकारी के लिए बता दें कि रविवार, 27 अप्रैल दोपहर 2:31 बजे दमकल विभाग को दक्षिण मुंबई में ईडी ऑफिस में आग लगने की सूचना मिली थी। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यहां लगी आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू पाने में दमकल विभाग को 12 घंटे का समय लग गया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

मुंबई : पुलिस ने अल्पकालिक वीजा पर आए 17 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा

मुंबई : पहलगाम में आतंकी हमले के बाद महाराष्ट्र में पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। मुंबई पुलिस ने राज्य में अल्पकालिक वीजा पर रह रहे 17 पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासित कर दिया है। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 17 पाकिस्तानी नागरिक पर्यटक और मेडिकल वीजा पर यहां आये थे। इन सभी को 26 और 27 अप्रैल को उचित प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद वापस भेज दिया गया है। जो लोग चिकित्सा उपचार करवा रहे थे, उन्हें 29 अप्रैल तक का समय दिया गया ताकि वे अपनी निकासी औपचारिकताएं पूरी कर सकें। अधिकारी ने बताया कि करीब 260 पाकिस्तानी नागरिक, जिनके पास भारतीय नागरिकों से विवाह या पाकिस्तानी नागरिकों से विवाह करने वाली लेकिन तलाकशुदा या विधवा होने के बाद भारत लौटने जैसी विभिन्न शर्तों के तहत दीर्घकालिक वीजा है, इसलिए वे शहर में ही रहेंगे।

इसी तरह ठाणे पुलिस आयुक्तालय ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों से अल्पकालिक वीजा पर रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों पर कड़ी निगरानी रखने को कहा है। उल्हासनगर, विलवाड़ी, अंबरनाथ और बदलापुर को कवर करने वाली जोन 4 की टीम ने पाया कि 17 पाकिस्तानी नागरिक अल्पकालिक वीजा पर उल्हासनगर में रह रहे हैं। प्रशासन ने उन्हें 28 अप्रैल, 2025 तक भारत छोड़ने का आदेश दिया है। इसी तरह नवी मुंबई पुलिस ने 200 पाकिस्तानी नागरिकों के दस्तावेजों की जांच शुरू की है और 25 अप्रैल को अल्पकालिक आगंतुक वीजा पर

आए तीन लोगों को वापस भेज दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में नवी मुंबई में 229 पाकिस्तानी नागरिक दीर्घकालिक वीजा पर हैं या इसके लिए मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

पुलिस आयुक्त मिलिंद भारम्बे ने कहा, ''इसके लिए स्पष्ट मानदंड हैं।'' ''जिनके पास स्वीकृत दीर्घकालिक वीजा हैं, उन्हें रहने की अनुमति दी जा रही है, जबकि कुछ आवेदन अभी भी विचाराधीन हैं। इनमें से छह को छोडकर बाकी सभी हिंदू हैं और उन छह में से भी चार भारतीयों से विवाहित हैं और बहुत बूढ़े हैं।'' डीसीपी (एसपी) रश्मि नांदेडकर ने कहा, ''जिन तीन व्यक्तियों को वापस लौटने के लिए कहा गया था, वे व्यक्तिगत कारणों से आए थे और आगंतुक वीजा पर थे।'' ''चूंकि केंद्र के निर्देश में अल्पकालिक वीजा रखने वालों को वापस लौटने का आदेश दिया गया है, इसलिए उन्हें एक्जिट परमिट दिया गया और उन्हें तदनुसार वापस भेज दिया गया।

भंडारा जिले में ट्रक और कार के बीच भिड़ंत

चार लोगों की मौके पर मौत; कार चालक घायल

मुंबई : भंडारा जिले में मुंबई-कोलकाता हाईवे पर बेला के पास रविवार की रात ट्रक और कार के बीच भिड़ंत में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। इस घटना में कार चालक घायल हुआ है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस घटना की छानबीन भंडारा पुलिस कर रही है। पुलिस के अनुसार रविवार को रात में बोलेरो कार नागपुर की ओर जा रही थी। उसमें पांच लोग सवार थे। जब कार बेला गांव के पास होटल साईं प्रसाद में खाना खाने के लिए राजमार्ग से मुड़ रहे थे, उसी समय नागपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी।

इस घटना में कार में सफर कर रहे चार लोगों की मौत हो गई और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर भंडारा पुलिस और गाडेगांव हाईवे पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटना के घायल को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस की टीम ने मौके पर का शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों की पहचान शिलेन्द्र देखेंगे, शैलेश गोकुलपुरे, विनोद बिनेवार और अशोक धरवाल के रुप में की गई है, जबकि घायल कार चालक अविनाश नागतोड़े का इलाज जारी है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

पुलिसकर्मी की भूमिका का नूर...

पुलिस महकमे से पुलिस कर्मी के आंगन तक सुधार की गुंजाइश का एक नजरिया, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश से निकला है। माननीय अदालत ने पुलिस पहरे की शिनाख्त में श्रम की आरजू और श्रम की सीमा को रेखांकित किया है। कठिन ड्यूटी के मुकाम पर तैनात सिपाही के मानसिक तनाव, सतर्क निगहबानी का हिसाब और हर पल जवाबदेही का खिंचाव जिस समय से गुजरता है, उसके वक्त का कानूनी मानदंड तय हुआ है। न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और सुशील कुकरेजा की खंडपीठ ने सरकार को पुलिस कर्मियों की सेवा शर्तों में सुधार लाने का आदेश ही नहीं दिया, बल्कि यह सुनिश्चित करने को कहा कि इनकी सेवाओं के बदले पैंतालीस दिन का अतिरिक्त वेतन मिले, आवास परियोजनाओं को गति मिले तथा पूरे करियर में कम से कम तीन पदोन्नतियां हर सूरत मिलें। अदालती आदेश से मानवीय पहलू रोशन होते हैं और जो सुधारों की पैरवी में एक नया अभियान खड़ा करते हैं। अदालत भीड़ में पुलिस वाले को देख रही है, वह ट्रैफिक नियंत्रण की स्थिति में उसे निहारते हुए यह देखती है कि किस तरह प्रदूषण के बीच उसकी जिम्मेदारी के हाथ, अपने ही फेफड़ों में जहरीली गैसों का उत्सर्जन भर रहे हैं।

कानून-व्यवस्था के रखवालों को कानून की शरण लेनी पड़ी, तो अदालत ने उनके हर तनाव और दबाव को बारीकी से देखा। इस तरह पुलिस प्रशासन के तहत पुलिस कर्मी के जीवन से जुड़े हर पहलू को ड्यूटी और फर्ज से संलग्न होने में मदद मिलेगी। यानी कल का पुलिस थाना, आज से भिन्न कैसे होगा और उसके भीतर सकारात्मकता के लिहाज से कौन से कदम प्रभावशाली होंगे। विधि व्यवस्था के लिए सबसे पहले हर नागरिक का बचाव और विश्वास पुलिस यूनिफार्म पर आता है। कहना न होगा के प्रदेश के किसी भी संकट के समय, राहत की तलब तब पूरी होती है जब सामने पुलिस व्यवस्था के तहत सतर्कता और बचाव की तैयारी गूंजती है। अंततः हमारी सुरक्षा के सारे हाथ उसके हैं, जो कभी ट्रैफिक को चला रहा या कभी अपराध की तफतीश में जान लड़ा रहा है। उसके कत्र्तव्य क्षेत्र के फलक पर लोगों की चिंताएं, कानून की हिफाजत और व्यवस्था की छवि घूम रही है। अदालत के फैसले ने पुलिस महकमें का आत्मबल और उसकी भूमिका का नूर बढ़ाया है। कोई सिपाही न आर्डर को मना कर सकता और न ही ड्यूटी को फाइल बना कर पटक सकता है। होते होंगे बहुत सारे ऐसे विभाग जहां फाइलें घूंघट में काम करती हैं, लेकिन सिपाही हर ड्यूटी में एक मोर्चा है- एक तत्परता है।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

भायंदर : नई विकास योजना को लेकर नागरिकों में भी बढ़ती असुविधाओं और अनिश्चितता को लेकर गहरी नाराजगी...

भायंदर : मीरा-भायंदर महानगरपालिका की नई विकास योजना को लेकर आठ वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अब तक इसे पूरी तरह अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। इससे न केवल शहर के विकास कार्य ठप पड़े हैं, बल्कि नागरिकों में भी बढ़ती असुविधाओं और अनिश्चितता को लेकर गहरी नाराजगी देखी जा रही है। महानगरपालिका के लिए पिछली विकास योजना १९९७ में बनी थी, जिसकी वैधता २०१७ में समाप्त हो गई। नियमानुसार, नई विकास योजना का प्रारूप समय रहते आना चाहिए था, ताकि शहर का विकास नियोजित ढंग से आगे बढ़ सके। लेकिन दुर्भाग्य से विभिन्न राजनीतिक हस्तक्षेप, प्रशासनिक लापरवाही और तकनीकी कारणों से यह प्रक्रिया कई बार बाधित हुई। २०१५ में जब महानगरपालिका ने नए डेवलपमेंट प्लान का मसौदा तैयार करना शुरू किया तो उसमें कई गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार के आरोप लगे। मसौदा लीक हो गया और कई विवाद खड़े हो गए, जिसके चलते २०१८ में तत्कालीन नगरविकास मंत्रालय द्वारा इसे रद्द कर ठाणे जिला नगररचना कार्यालय को नई योजना तैयार करने का आदेश दिया।

२०२२ में ठाणे जिला नगररचना विभाग ने नया प्रारूप जारी कर नागरिकों से आपत्तियां और सुझाव मांगे, लेकिन इस प्रारूप पर भी भारी आपत्तियां दर्ज कराई गईं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि नई योजना में मीरा-भायंदर के भविष्य की जरूरतों-जैसे शिक्षा, अस्पताल, मेट्रो कार शेड, सार्वजनिक पार्क, श्मशान भूमि और फिल्म सिटी जैसी परियोजनाओं की उपेक्षा की गई है। नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि डेवलपमेंट प्लान में कई घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लिए बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान नाकाफी हैं।

कछुए की चाल से बढ़ रही योजना

ठाणे नगररचना विभाग द्वारा नागरिकों की हजारों की संख्या में आपत्तियों और सुझावों पर रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को भेजी जा चुकी है। राज्य शहरी विकास विभाग द्वारा इन आपत्तियों पर विचार करने के बाद अंतिम स्वीकृति प्रदान की जानी है। राज्य सरकार के उच्च अधिकारियों के अनुसार, नई योजना को अंतिम मंजूरी मिलने में अभी कुछ और महीने या उससे अधिक समय लग सकता है। कितना समय लगेगा, इसकी सटीक जानकारी किसी प्रशासनिक अधिकारी के पास नहीं है।

मीरा-भायंदर के नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने चिंता व्यक्त की है कि बार-बार की देरी से शहर का नियोजित विकास प्रभावित हो रहा है। साथ ही अनियमित निर्माण गतिविधियां बढ़ने से ट्रैफिक, जलापूर्ति और सीवेज जैसे मुद्दे विकराल होते जा रहे हैं। स्थानीय नागरिक संगठनों ने मांग की है कि राज्य सरकार डेवलपमेंट प्लान को जल्द से जल्द मंजूरी दे, ताकि मीरा-भायंदर का सुनियोजित विकास सुनिश्चित हो सके।

भिवंडी : खराब सड़कों की स्थिति को उजागर; अदालत ने लगाई भिवंडी मनपा को फटकार...

भिवंडी : भिवंडी शहर की सड़कों की खराब स्थिति ने नागरिकों की सुरक्षा को गंभीर खतरे में डाल दिया है। इन सड़कों पर गड्ढे और ऊबड़-खाबड़ रास्ते होने से शहरवासियों को सफर करना मुश्किल हो गया है। इस मुद्दे को लेकर राज्य मानवाधिकार आयोग में एक याचिका दायर की गई थी, जिसके बाद अदालत ने भिवंडी मनपा को फटकार लगाई। रिपोर्ट के अनुसार, मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष के. के. तातेड ने नवंबर २०२२ में भिवंडी मनपा और एमएमआरडीए को इस समस्या के समाधान के लिए नोटिस जारी किया था। भिवंडी के नागरिक अशोक जैन ने शहर की खराब सड़कों की स्थिति को उजागर किया और अदालत में उनके द्वारा दायर की गई याचिका में गड्ढों की तस्वीरें और नागरिकों के पत्र भी जोड़े गए थे। इसके बाद अदालत ने संबंधित विभागों से रिपोर्ट तलब की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

न्यायमूर्ति एन.एम. बदर ने आदेश की प्रति पुनर्स्थापित करते हुए भिवंडी मनपा को फटकार लगाई और कहा कि नागरिकों को सुरक्षित मार्ग मुहैया कराना मनपा का कानूनी दायित्व है। उन्होंने इसे प्राथमिकता के रूप में लेने की आवश्यकता जताई। वहीं, न्यायालय ने संबंधित विभागों से एक ठोस समाधान पेश करने का आग्रह भी किया है। यह मामला अब ९ जून २०२५ को अदालत में फिर से पेश किया जाएगा। भिवंडीवासियों को उम्मीद है कि इस मुद्दे पर प्रशासन जल्द कोई ठोस कदम उठाएगा ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सवालों के घेरे में मनपा की सीसीटीवी कैमरा परियोजना

मुंबई : नई मुंबई में सुरक्षा के मुद्दे पर मनपा की सीसीटीवी कैमरा परियोजना अब सवालों के घेरे में है। रिपोर्ट की मानें तो तीन साल बाद भी यह परियोजना पूरी नहीं हो पाई, जबकि इसके लिए १५० करोड़ रुपए का बजट तय किया गया था। इन तीन सालों में शहर के विभिन्न हिस्सों में १,५०० अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना थी, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक सुरक्षा, महिला सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण और कानून प्रवर्तन को मजबूत करना था। आरटीआई से मिली जानकारी से यह बात सामने आई है कि शहर में १,३०० कैमरे लगाए गए हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ ७०३ कैमरे ही काम कर रहे हैं। कई कैमरे सड़क के काम के दौरान हुए नुकसान के कारण बंद पड़े हैं। फाइबर केबल की चोरी, बार-बार सड़कों को खोदने की समस्या और अधूरी योजना ने परियोजना को पूरी तरह से विफल कर दिया है। यहां तक कि पुलिस और मनपा में समन्वय की कमी के कारण, जो कैमरे काम कर रहे हैं, उनकी भी निगरानी का दायरा बेहद सीमित है। शहर की सुरक्षा में इस तरह की खामियां नागरिकों के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकती हैं।

मनपा की लापरवाही पर सवाल उठाते हुए नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं ने स्थानीय प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है। अगर समय रहते इस परियोजना को सही तरीके से पूरा नहीं किया गया तो नागरिकों का विश्वास इस सिस्टम से उठ सकता है। नई मुंबई जैसे बड़े शहर में, जहां १५ लाख से ज्यादा लोग रहते हैं, सुरक्षा व्यवस्था में इस तरह की लापरवाही चिंता का कारण बन सकती है। अब देखना यह होगा कि मनपा इस परियोजना को कब पूरा करती है और नागरिकों के विश्वास को फिर से हासिल करती है।

बेस्ट बस ड्राइवरों की लापरवाही और अपर्याप्त प्रशिक्षण उजागर... नागरिकों की सुरक्षा को खतरा !

मुंबई : २२ वर्षीय सार्थक जंगम की मौत ने एक बार फिर मुंबई की सड़कों पर बेस्ट बस ड्राइवरों की लापरवाही और अपर्याप्त प्रशिक्षण को उजागर किया है। यह घटना प्रभादेवी में रात करीब ९ बजे हुई, जब एक बेस्ट बस ने रूट नंबर १७१ पर जंगम की बाइक को टक्कर मार दी और उसे रौंद डाला। जंगम, जो एक डिलिवरी एक्जीक्यूटिव था, अपने काम से वापस लौट रहा था, लेकिन बस चालक ने गाड़ी को लापरवाही से चलाया, जिससे यह हादसा हुआ। बस चालक के घटना स्थल से फरार हो जाने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया है।

कुर्ला का वह भयावह हादसा

९ दिसंबर २०२४ को कुर्ला में बेस्ट की एक इलेक्ट्रिक बस ने नियंत्रण खो दिया और भीड़ में घुस गई। इस दुर्घटना में २२ वाहन क्षतिग्रस्त हुए थे, ३७ लोग घायल हुए थे और ९ लोगों की मौत हो गई थी। ड्राइवर संजय मोरे ने दावा किया कि उसने गलती से एक्सेलेटर दबाया था, लेकिन जांच में पाया गया कि अपर्याप्त प्रशिक्षण ही मुख्य कारण था।

हादसों का सिलसिला

१६ दिसंबर २०२४ को गोवंडी में २७ वर्षीय दीक्षित राजपूत को एक बेस्ट बस ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। फिर ११ फरवरी २०२५ को पवई में २१ वर्षीय राज बोबड़े की स्कूटी फिसलने के बाद बेस्ट बस ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई और उसके पिता घायल हो गए। सबसे दिल दहला देने वाली घटना ७ अप्रैल २०२५ को बोरीवली में हुई, जहां एक ३ साल की बच्ची महक खातून शेख को बेस्ट बस ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इन घटनाओं से यह साफ हो गया है कि बेस्ट बस ड्राइवरों को प्रभावी प्रशिक्षण की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही से भरी घटनाएं न हों। इन हादसों से यह सवाल उठता है कि जब तक ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सुधारात्मक कदम नहीं उठाए जाते, तब तक नागरिकों की सुरक्षा को खतरा बना रहेगा।

मुंबई में हर तरफ एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का बोलबाला

प्लास्टिक की दुकानें और बाजार आज भी फल-फूल रहे हैं

मुंबई : मुंबईकरों को साफ-सुथरी मुंबई का सपना दिखाने वाली मुंबई मनपा खुद प्लास्टिक कचरे के ढेर तले दबती जा रही है। तमाम अभियानों, नारों और दंड वसूली के बाद भी शहर में प्लास्टिक की बोतलों का अंबार कम होने की बजाय दोगुना हो गया है। रिपोर्ट की मानें तो २०२३ में जहां ६७ लाख किलोग्राम प्लास्टिक बोतलें इकट्ठा हुई थीं, वहीं २०२४ में यह आंकड़ा बढ़कर १ करोड़ ४२ लाख २३ हजार किलोग्राम तक पहुंच गया। ऐसे में लगता है कि मनपा ने प्लास्टिक संग्रहण में ही कोई नया रिकॉर्ड बनाने की ठान ली है।

मुंबई में हर तरफ एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का बोलबाला है। सब्जियों की थैलियां हों या फलों के पैकेट, हर गली-नुक्कड़ पर प्लास्टिक राज कर रहा है। होटल से लेकर रेलवे पटरियों तक, नाले से लेकर समुद्र तट तक, हर जगह प्लास्टिक की बोतलों ने अपनी सत्ता स्थापित कर ली है। पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक का भी हाल कुछ कम नहीं है। २०२३ में ८५ से ९० लाख किलोग्राम पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक मिला था, जो २०२४ में बढ़कर ९६ लाख ६ हजार किलोग्राम तक जा पहुंचा। ई-कचरा भी कम नहीं हुआ। इस साल ६ लाख १५ हजार किलोग्राम ई-कचरा जमा हुआ है। गौरतलब है कि २००५ की बाढ़ के बाद ५० माइक्रोन से पतली प्लास्टिक थैलियों पर बैन लगाया गया था। मगर हकीकत यह है कि प्लास्टिक की दुकानें और बाजार आज भी चुपचाप फल-फूल रहे हैं। कार्रवाई के नाम पर ८३३ मामलों में सिर्फ ४१ लाख रुपए का जुमार्ना वसूल कर मनपा ने अपनी पीठ खुद थपथपाई है।

मुस्लिम फेरीवालों के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की शिकायत...

माहिम विधानसभा की अध्यक्ष अक्षता तेंदुलकर का नाम भी शामिल

मुंबई : पुलिस ने नौ इखढ कार्यकताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है. आरोप है कि इन लोगों ने मुस्लिम फेरीवालों के साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट की. शिकायत में माहिम विधानसभा की अध्यक्ष अक्षता तेंदुलकर का नाम भी शामिल है. आरोप ये भी है कि मुस्लिम फेरीवाले जब वहां से भागने लगे, तो उनका पीछा करके उन्हें पीटा गया है. स्थानीय फेरीवाले सौरभ मिश्रा ने इसे लेकर शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. सौरभ मिश्रा ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके साथ काम करने वाले मुस्लिम कर्मचारियों पर हमला किया गया है.

शिकायत में कहा गया है कि अक्षता तेंदुलकर और उनके आठ साथी रंगोली स्टोर के सामने दादर मार्केट इलाके में पहुंचे. फिर कथित तौर पर फेरीवालों से पूछा कि क्या वो मुसलमान हैं.

DCP जोन 5 गणेश गावड़े ने बताया कि नौ आरोपियों के खिलाफ शिवाजी पार्क थाने में मामला दर्ज किया गया है. ये मामला भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 189(2), 191(2), 115(2), 351(2), 352 और 37(1) 135 टढ एक्ट के तहत दर्ज हुआ है. इस बीच, अक्षता तेंदुलकर ने दावा किया कि उन्होंने उन बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, जो फजी दस्तावेजों के आधार पर भारत में रह रहे हैं. उन्होंने कहा कि पुलिस से शिकायत की गई है कि बांग्लादेश से आए कई अवैध अप्रवासी इलाके में फल और सब्जियां बेच रहे हैं. लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई. इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक, अक्षता तेंदुलकर ने बताया, पुलिस का कहना है कि इस मामले की जांच चल रही है.

धारावी पुनर्विकास प्राधिकरण ने म्हाडा मुख्यालय में कार्यालय का 25 करोड़ रुपए का किराया नहीं चुकाया

मुंबई : धारावी पुनर्विकास प्राधिकरण (डीआरपी) का कार्यालय अब किंग्स सर्कल में एक नए स्थान पर स्थानांतरित हो गया है। हालांकि, डीआरपी ने म्हाडा मुख्यालय में कार्यालय का २५ करोड़ रुपए का किराया नहीं चुकाया है। अब तक दो बार नोटिस देने के बावजूद म्हाडा को डीआरपी से कोई जवाब नहीं मिला है। इसलिए, अब म्हाडा बकाया वसूलने के लिए क्या कार्रवाई करेगा, इस पर सबकी नजरें लगी हुई हैं। धारावी झोपड़पट्टी के पुनर्वास के लिए राज्य सरकार ने धारावी पुनर्वास परियोजना प्राधिकरण की स्थापना की थी। पिछले कई वर्षों से डीआरपी का कार्यालय म्हाडा मुख्यालय की पांचवीं मंजिल पर कमरा नंबर ६१९ में था।

सात हजार वर्गफुट के इस विशाल स्थान के लिए म्हाडा ने प्रति वर्गफुट २६५ रुपए प्रति माह का शुल्क तय किया था। यह बात सामने आई है कि डीआरपी ने ब्याज सहित २५.५ करोड़ रुपए का किराया नहीं चुकाया है। ये सितंबर तक के आंकड़े हैं और बकाया किराए पर ब्याज बढ़ता जा रहा है। म्हाडा के एक अधिकारी ने बताया कि म्हाडा ने डीआरपी को दो बार नोटिस जारी किया है, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया है। दिवाली के बाद से डीआरपी कार्यालय एक नए स्थान पर स्थानांतरित हो गया है।

मुंबई : पानी को लेकर लोगों में हाहाकार...

खालापुर में शराब कंपनी को प्रतिदिन १.२० मिलियन लीटर पानी का कोटा मंजूर...

मुंबई : राज्य के शहर और ग्रामीण भागों में पानी को लेकर लोगों में हाहाकार मचा हुआ है। लोगों को कोसों दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है। शहरी भागों में दो-तीन दिन में एक बार पानी आ रहा है। इस स्थिति के रहते हुए भी महायुति सरकार के जलसंपदा विभाग की मेहरबानी से खालापुर में एक शराब कंपनी को प्रतिदिन १.२० मिलियन लीटर पानी का कोटा मंजूर किया गया है। पाताल गंगा नदी से यह पानी का कोटा मंजूर किया गया है। बता दें कि शराब कंपनी को जलसंपदा विभाग ने प्रतिदिन वार्षिक ०.३९२३ दशलक्ष घनमीटर पानी का कोटा मंजूर करने बड़ी मेहरबानी दिखाई है। आंकड़े के हिसाब से यह पानी कोटा वार्षिक ३९४ करोड़ २ लाख लीटर है। शराब कंपनी को पानी दिए जाने के कारण रायगड जिले के २१ गांवों १०६ पाडे सहित कुल १२७ गांवों में पानी का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। इसके कारण इन गांवों में रहने वाले ६६ हजार ३०१ लोग प्रभावित हो रहे हैं।

८०० योजनाएं अपूर्ण

रायगड जिले के बांधों में मात्र ३७ प्रतिशत पानी बचा हुआ है। दूसरी तरफ जल जीवन मिशन योजना के तहत १४०० योजनाओं को मंजूरी दी गई थी। इसमें से केवल ६०० योजनाएं पूर्ण हुई हैं, बाकी ८०० योजनाएं अपूर्ण हैं। इसके कारण कई भागों में नल का पानी नहीं पहुंचा है और जल जीवन मिशन योजना का तीन-तेरह हो गया है।

मुंबई : पुलिस कमिश्नर विवेक फणसलकर के रिटायरमेंट को लेकर पुलिस विभाग और राजनीतिक गलियारों में चचाएं जोरों...

मुंबई : मुंबई पुलिस कमिश्नर विवेक फणसलकर के रिटायरमेंट में अब सिर्फ तीन दिन बचे हैं, लेकिन इसके बाद शहर की कानून व्यवस्था की कमान किसके हाथ में होगी, इसे लेकर पुलिस विभाग और राजनीतिक गलियारों में चचाएं जोरों पर हैं। नए कमिश्नर के चयन को लेकर कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नामों पर विचार किया जा रहा है। इस रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं देवेन भारती। 1994 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी देवेन भारती वर्तमान में पुलिस मुख्यालय में विशेष पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात हैं। क्राइम ब्रांच और एटीएस जैसे महत्वपूर्ण विभागों का नेतृत्व कर चुके भारती ने मुंबई में अंडरवर्ल्ड पर कड़ा प्रहार किया था और कई बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ भी किया था। उनका अनुभव और उनकी प्रशासनिक पकड़ उन्हें इस दौड़ में सबसे मजबूत उम्मीदवार बनाती है।

दिल्ली से आएंगे सदानंद दाते ?

दूसरे प्रमुख दावेदार हैं सदानंद दाते, जो 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वे दिल्ली में डेप्युटेशन पर नैशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के प्रमुख हैं। एनआईए में उनके नेतृत्व में कई बड़े आतंकी मामलों की सफलतापूर्वक जांच हुई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, सरकार उन्हें मुंबई पुलिस का अगला मुखिया बना सकती है।

चर्चा में अर्चना त्यागी

वहीं, तीसरे स्थान पर चर्चा में हैं 1993 बैच की आईपीएस अधिकारी अर्चना त्यागी। अर्चना त्यागी ने महिला अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के साथ साइबर अपराध शाखा में भी उल्लेखनीय सुधार किए हैं। अगर उन्हें यह जिम्मेदारी मिलती है, तो मुंबई के इतिहास में पहली बार किसी महिला को पुलिस कमिश्नर बनाया जाएगा। इससे पहले सरकार रश्मि शुक्ला को महाराष्ट्र की डीजीपी बना चुकी है।

संजय कुमार वर्मा को भी मिल सकती है कमान

चर्चा में एक और नाम संजय कुमार वर्मा का है, जो 1990 बैच के सीनियर आईपीएस अधिकारी हैं। हाल ही में जब चुनाव आयोग के आदेश पर कुछ समय के लिए रश्मि शुक्ला को डीजीपी पद से हटाया गया था, तब वर्मा ने प्रभारी डीजीपी के रूप में महाराष्ट्र पुलिस की कमान संभाली थी। वर्मा को पुलिस प्रशासन में उनकी ईमानदार छवि और अनुशासित कार्यशैली के लिए जाना जाता है।

कल्याण : एपीएमसी मार्केट में दिनदहाड़े विक्रेता की हत्या

कल्याण : कल्याण के एपीएमसी मार्केट में सोमवार सुबह दिनदहाड़े एक विक्रेता की हत्या कर दी गई। मामूली विवाद में एक आपराधिक प्रवृत्ति के युवक ने एक ही परिवार पर कैंची से हमला कर दहशत फैला दी। हमले में विक्रेता चमनलाल नंदलाल कारला (55) की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी नीतू और बेटा कार्तिक कारला गंभीर रूप से घायल हो गए। बाजारपेठ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चिराग राजकुमार सोनी (21) को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक चमनलाल कारला एपीएमसी मार्केट में केले के पत्ते बेचने का काम करते थे। रविवार को मामूली कहासुनी के बाद आरोपी चिराग ने गुस्से में आकर चमनलाल के सीने और पेट में कैंची घोंप दी। बीच-बचाव करने आए बेटे कार्तिक के पेट में भी वार किया गया और पत्नी नीतू पर भी हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इस वारदात से बाजार समिति परिसर में अफरा-तफरी मच गई और भय का वातावरण बन गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी चिराग सोनी पर पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की गहन जांच शुरू कर दी है।

मुंबई : दो गुटों के बीच विवाद... हिंसक झड़प के दौरान दुकानों और वाहनों में जमकर तोड़फोड़!

मुंबई : सांताक्रूज (पूर्व) स्थित गोलीबार इलाके में दो गुटों के बीच मामूली विवाद ने उग्र रूप ले लिया. दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प के दौरान अराजक तत्वों ने दुकानों और वाहनों में जमकर तोड़फोड़ की. पुलिस का कहना है कि इस घटना में तीन लोग घायल हो गए. मामले में FIR दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश जारी है दरअसल, घटना का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें उपद्रवियों को बांस की लाठियां लेकर दुकानों में तोड़फोड़ करते हुए देखा गया है. फिलहाल, वकोला पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धाराओं 189 (गैरकानूनी जमावड़ा), 191 (दंगा) और 115 (हमला) के तहत मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना है. इलाके में फिलहाल पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है ताकि स्थिति पर काबू रखा जा सके.

मुंबई : बाघों की मृत्यु के मामले में महाराष्ट्र देश में शीर्ष पर; सरकार को चीतों की चिंता तो है, लेकिन बाघों की नही...

मुंबई : सरकार को चीतों की चिंता तो है, लेकिन बाघों की नहीं है। हालांकि, धारीदार बाघों की संख्या में जहां बढ़ोतरी हो रही है। वहीं महाराष्ट्र में एक गंभीर तस्वीर उभरकर सामने आई है, जहां उनकी मौत का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ रहा है। पिछले चार महीनों में देश में ६२ बाघों की मौत हो गई। इनमें से २० बाघ अकेले महाराष्ट्र से हैं। परिणामस्वरूप, बाघों की मृत्यु के मामले में महाराष्ट्र देश में शीर्ष पर रहा, जबकि मध्य प्रदेश १७ बाघों की मृत्यु के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

२०२२ की राष्ट्रव्यापी बाघ गणना के अनुसार, देश में ३,१६७ बाघ दर्ज किए गए हैं। इस बाघ गणना में महाराष्ट्र ने भी प्रमुख भूमिका निभाई। २०१८ में राज्य में ३१२ बाघ दर्ज किए गए थे, जबकि २०२२ में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई और यह ४४४ तक पहुंच गई। लेकिन बाघ संरक्षण में अग्रणी महाराष्ट्र में बाघों की मौतों की संख्या भी अधिक है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जनवरी २०२५ से २६ अप्रैल तक के चार महीनों में देश में ६२ बाघों की मौत हुई है। ये मौतें वन्यजीवों की लड़ाई, दुर्घटना, शिकार या प्राकृतिक कारणों जैसे विभिन्न कारणों से हुई हैं। इनमें से सबसे अधिक २० मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। हाल ही में जानकारी सामने आई है कि पिछले ५ वर्षों में बहेलिया और बावरिया सहित विभिन्न गिरोहों द्वारा देशभर में बाघों के शिकार की १०० से अधिक घटनाएं हुई हैं। हर साल इसमें भारी वृद्धि देखी गई है। जांच से पता चला है कि एक संगठित अपराध 'सिंडिकेट' राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है और भारत के विभिन्न हिस्सों से बाघों के अंगों की आपूर्ति की जा रही है।

मुंबई : पाकिस्तानी ड्रग्स तस्करों में हड़कंप... नशीले पदार्थ की स्मगलिंग नहीं हो पा रही

मुंबई : पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी ड्रग्स तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। समुद्री मार्ग, बॉर्डर और एयरस्पेस बंद होने के कारण पाकिस्तानी ड्रग्स तस्करों की भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की खेप ठप पड़ गई है। ऐसे में पाकिस्तानी तस्करों ने अपना रूट बदल दिया है। पहले ड्रग्स तस्करों का रूट ईरान से अरब सागर के रास्ते पाकिस्तान और फिर लक्षद्वीप तक था। इसी रूट से ड्रग्स कोमोरोस आइलैंड और ऑस्ट्रेलिया भी ड्रग्स का माल सप्लाई होता था। समुद्र के रास्ते ड्रग्स केरल पहुंचकर वहां से कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र कोस्ट में आता था। इस तरह की तस्करी पानी वाले जहाजों से होती है। एक रूट पाकिस्तान-ईरान से सीधे पोरबंदर गुजरात का है। पाकिस्तान के वेस्टर्न बॉर्डर कश्मीर तक ड्रग्स की सप्लाई ड्रोन और अंडरग्राउंड टनल से भी होती है, लेकिन अब युद्ध की आशंकाओं को देखते हुए ड्रग्स तस्करों ने अपना रास्ता बदलकर अफगानिस्तान और दुबई चुना है।

सूत्र बताते हैं कि भले ही ड्रग्स तस्करों ने अपना रूट बदला हो, बावजूद इसके अरबों रुपए की ड्रग्स की खेप पाकिस्तान में पड़ी हुई है। वहां से बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थ की स्मगलिंग नहीं हो पा रही है। अफगानिस्तान में अफीम की खेती बड़े पैमाने पर होती है। अफीम से ही कई तरह के ड्रग्स तैयार किए जाते हैं। इन्हें बनाने का काम पाकिस्तान में होता है और वहीं से समंदर के रास्ते ड्रग्स भारत में पहुंचाया जाता था। जानकारों का कहना है कि भले ही तस्करों ने रूट बदला हो, लेकिन बड़ी मात्रा में तस्करी नहीं हो पा रही है। नतीजतन, पाकिस्तान के हेंडलरों की आमदनी भी ठप पड़ गई है। पाकिस्तान सिर्फ भारत ही नहीं, अंतराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करों की मदद से दुनियाभर में ड्रग्स सप्लाई करता है। मुंबई में अलग-अलग बंदरगाहों पर हेरोइन की खेप पाकिस्तान के बलूचिस्तान से आती है। मुंबई और दिल्ली ऐसे शहर हैं, जहां हेरोइन की सबसे ज्यादा खपत है। नशीले पदार्थों की तस्करी और उससे होनेवाली आमदनी का पैसा ज्यादातर आतंकी संगठनों को पहुंचता है, उन्हीं पैसों से आतंकी संगठन फलते-फूलते हैं। मोदी सरकार कई सालों से चले आ रहे ड्रग्स माफियाओं पर कंट्रोल नहीं कर पाई है। मुंबई और देशभर में मिल रहे ड्रग्स के जखीरों से यह स्पष्ट हो जाता है कि ड्रग्स तस्करी का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है।

मुंबई : अवरुद्ध फुटपाथों और सुरक्षा की कमी से परेशान निवासियों के साथ मौन मार्च में सांसद सुप्रिया सुले हुई शामिल...

मुंबई : खराब सड़कों, अवरुद्ध फुटपाथों और सुरक्षा की कमी से परेशान बावधन के निवासियों को मौन विरोध मार्च के लिए सड़कों पर उतरे। बारामती की सांसद सुप्रिया सुले भी निवासियों के साथ मौन मार्च में शामिल हुईं। बावधन मार्केट यार्ड से शुरू होकर एक्सिस बैंक पर समाप्त होने वाला यह मार्च, क्षेत्र में बिगड़ती स्थितियों को दूर करने के लिए स्थानीय अधिकारियों से बेहतर पैदल चलने की सुविधा, बेहतर सुरक्षा और जवाबदेही की मांग के लिए आयोजित किया गया था। सुले, जिन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पुणे के बावधन के निवासियों द्वारा सामना किए जाने वाले ज्वलंत मुद्दों को संबोधित करने के लिए बावधन नागरिक मंच द्वारा आयोजित मार्च में भाग लिया, ने निवासियों के सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिसमें खराब सड़कें, असमान फुटपाथ और दैनिक यातायात जाम शामिल हैं।

आईएएस में नहीं हुआ चयन, तो ये हैं बेहतरीन करियर विकल्प

यदि स्टैटिस्टिक्स के नजरिये से देखा जाए, तो सिविल सर्विसेज एग्जाम क्लियर करने और उसमें भी आईएएसके लिए ही चुने जाने की संभावना बहुत क्षीण होती है। इस परीक्षा में सफलता की संभाव्यता मात्र 02 प्रतिशत होती है। यही कारण है कि सिविल सर्विसेज एग्जाम को विश्व की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है। हर साल इसमें बैठने वाले लगभग 3 लाख प्रतिभागियों में से मात्र 700 या 800 का ही अंतिम चयन हो पाता है और उनमें से भी कुछ को ही अपनी पसंद की सर्विस में नियुक्ति मिलती है।

यह तो आपने सुना ही होगा कि आईएएस की तैयारी करना महज एक परीक्षा की तैयारी भर नहीं है। यह एक जीवनशैली है। पूरी शिद्दत से इसकी तैयारी करने वालों के लिए यही जिंदगी बन जाती है। ऐसे में यदि आपके पास और प्रयास के अवसर नहीं रह गए या फिर आगे और प्रयास करने की आपकी इच्छा नहीं रह गई, तो आपको एक तरह से नए सिरे से ही जीवन शुरू करना पड़ता है। करियर के बारे में तो नए सिरे से विचार करना ही पड़ता है। ऐसे में कई हताश युवा खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जहां उनके पास कोई दूसरा विकल्प ही नहीं होता। यह सही है कि परीक्षा की तैयारी करते समय सकारात्मक बने रहना और सफल होने के विश्वास के साथ आगे बढ़ना जरूरी है मगर वैकल्पिक करियर प्लान बनाकर चलने में कोई नुकसान नहीं है। यदि आपने आईएएस के लिए जमकर पढ़ाई की है लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके हैं, तो ऐसे कई करियर विकल्प हैं, जहां आप अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। कई ऐसे करियर भी हैं, जहां आईएएस की तैयारी कर चुके उम्मीदवारों की सफलता की संभावना अन्य उम्मीदवारों से अधिक रहती है। चलिए, एक नजर डालते हैं ऐसे ही कुछ वैकल्पिक करियर्स पर।

सरकार की अन्य भर्ती परीक्षाएं

अगर आपने आईएएस में जाने का निर्णय यह सोचकर लिया था कि आप देश के लिए कुछ करना चाहते हैं, तो ऐसा करने के और भी रास्ते हैं। सिविल सर्विसेज एग्जाम के अलावा केंद्र सरकार भारतीय अफसरशाही में मिड-लेवल पदों पर नियुक्ति हेतु कई अन्य परीक्षाएं भी आयोजित करती है। इनमें इंडियन फॉरेस्ट सर्विस, इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस, असिस्टेंट सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर, सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज आदि शामिल हैं। आईएएस हेतु की गई व्यापक तैयारी इन परीक्षाओं को क्रैक करने में आपकी मदद करेगी। इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा भी आईएएस के मुकाबले कमतर होती है व सफलता की संभावना अधिक।

कर्मचारी चयन आयोग

वैसे तो यह भी केंद्र सरकार के पदों पर भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं में से ही एक है मगर यह इस कदर लोकप्रिय है कि इसका अलग से उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। कर्मचारी चयन आयोग (स्टाफ सिलेक्शन कमिशन-एसएससी) एक सरकारी एजेंसी है, जो विभिन्ना सरकारी विभागों में भर्ती कराती है। एसएससी द्वारा केंद्र सरकार के विभिन्ना मंत्रालयों/विभागों में ग्रुप-बी के पदों और ग्रुप-सी के सभी गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। एसएससी सीजीएल (कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल) एग्जाम के माध्यम से अनेक डेस्क तथा फील्ड जॉब्स में नियुक्ति की जाती है। इनमें मंत्रालय सहायक, ऑडिटर, कर सहायक, अकाउंटेंट, अपर डिविजन क्लर्क, टैक्स इंस्पेक्टर, असिस्टेंट एन्फोर्समेंट ऑफिसर, सीबीआई इंस्पेक्टर, नारकोटिक्स इंस्पेक्टर आदि के पद शामिल हैं।

राज्यों की पीएससी परीक्षाएं

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ही तर्ज पर तमाम राज्यों के लोक सेवा आयोग (पीएससी) भी वहां की सरकारी भर्तियों के लिए परीक्षाएं आयोजित करते हैं। अक्सर युवा यूपीएससी के साथ-साथ ही पीएससी की परीक्षा भी देते हैं। यूपीएससी में चयन न हो, तो पीएससी एक अच्छा विकल्प होता है। यूपीएससी के मुकाबले इस परीक्षा में प्रतिस्पर्धा कम होती है और सफलता की संभावना अधिक। सबसे बड़ा फायदा यह है कि पीएससी परीक्षाओं का फॉर्मेट तथा सिलेबस लगभग वही होता है, जोकि यूपीएससी का होता है। इसलिए आपको अलग से कोई पढ़ाई नहीं करनी होती। पीएससी परीक्षा में चयनित होने पर आपको राज्य सरकार की प्रशासनिक मशीनरी में मध्य से लेकर वरिष्ठ पद तक नियुक्ति मिल सकती है।

बैंकिंग एक बढ़िया विकल्प

आईएएस के लिए पढ़ाई कर चुके युवाओं के लिए बैंकिंग एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। पब्लिक सेक्टर बैंक नियमित रूप से क्लेरिकल तथा प्रोबेशनरी ऑफिसर स्तर की रिक्तियां निकालते हैं। इनके लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही भर्ती होती है। इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा तो काफी कड़ी होती है मगर ये मुख्य रूप से फाइनेंस, इकोनॉमी व अकाउंटेंसी पर केंद्रित होती हैं। साथ ही इनमें जनरल अवेयरनेस, लॉजिकल रीजनिंग, न्यूमेरिकल एबिलिटी तथा रीजनिंग को आंका जाता है। आईएएस की तैयारी के दौरान आप इस तरह के प्रश्नों को हल करने की खूब प्रेक्टिस कर चुके होंगे। यह आपको बैंकिंग की परीक्षाओं में काम आएगा।

टीचिंग लाइन

अगर आपने ग्रेजुएशन स्तर पर अच्छे अंक प्राप्त किए हैं और टीचर बनने के लिए जरूरी क्वॉलिफिकेशन की कसौटी पर खरे उतरते हैं, तो आपके लिए इस क्षेत्र में जाने के रास्ते खुले हैं। आप स्कूल या कॉलेज में तो पढ़ा ही सकते हैं, एक और विकल्प है आईएएस कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में भावी परीक्षार्थियों को पढ़ाना। पढ़ाई और परीक्षा के अपने अनुभव के आधार पर आप दूसरों को बेहतर गाइडेंस दे सकते हैं। ऐसे संस्थानों में पढ़ाना आर्थिक रूप से भी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। ये तो हुए महज कुछ विकल्प, जो आईएएस की तैयारी कर चुके युवा आजमा सकते हैं। इसके अलावा कई और विकल्प भी हैं, जिनमें एमबीए, प्राइवेट सेक्टर जॉब आदि शामिल हैं। जरूरत है तो बस, खुले दिमाग से विचार करने की और एक 'प्लान-बी'' तैयार रखने की। यदि आईएएस में आपका चयन हो गया, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यदि नहीं, तो प्लान-बी तो है ही!

जेमोलॉजी के साथ जगमगाएगा आपका करियर

कुछ दशक पहले तक रत्न व आभूषण का कारोबार छोटे-बड़े ज्वेलर्स तक सीमित होने के कारण असंगठित था, मगर अब कई बड़ी कंपनियों के आने के बाद से यह क्षेत्र तेजी से पेशेवर अंदाज में ढल रहा है। इसलिए जेमोलॉजी के विशेषज्ञों के लिए रत्न व आभूषण उद्योग में कई तरह के मौके हैं।

एक जेमोलॉजिस्ट का काम जहां एक ओर जेम्स स्टोन्स की पहचान, छंटाई और ग्रेडिंग का होता है, वहीं दूसरी ओर वे ज्वेलरी डिजाइनिंग की भी बारीक समझ रखते हैं। यही वजह है कि वे रिसर्च से लेकर डिजायनिंग तक से जुड़े सभी तरह के कामों में माहिर होते हैं। यदि आपकी रुचि जेमोलॉजी और इस तरह के कार्यो में है तो आपका करियर इस क्षेत्र में चमकदार हो सकता है।

क्या है जेमोलॉजी

जेमोलॉजी को रत्नों की पहचान व उसके मूल्यांकन की कला,पेशा और विज्ञान कहा जा सकता है। जेमोलॉजी के अंतर्गत प्राकृतिक रत्नों की पहचान करना व उनमें मौजूद खामियों की जांच करना सिखाया जाता है। इसके अतिरिक्त रत्नों की कटिंग, छंटाई, ग्रेडिंग, वैल्यूएशन, डिजाइन मेथेडोलॉजी, मेटल कॉन्सेप्ट, कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग, मेटालर्जिकल प्रोसेस व ऑर्नामेंट डिजाइनिंग के बारे में बताया जाता है।

ये हैं कोर्सेस

जेमोलॉजी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। एक से दो साल के जेमोलॉजी डिप्लोमा और छह महीने से एक साल के सर्टिफिकेट कोर्सेज के साथ-साथ ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए कुछ स्पेशलाइज्ड कोर्सेज भी उपलब्ध हैं। इन स्पेशलाइज्ड कोर्सेज की अवधि छह माह से छह हफ्ते तक भी हो सकती है। इस कोर्स के अंतर्गत जेम्स की पहचान, उसकी रंगत, धातु की पहचान, ड्राइंग टेक्निक्स, कम्प्यूटर ऐडेड डिजाइन आदि पहलुओं का अध्ययन किया जाता है।

जरूरी स्किल्स

अगर आप जेमोलॉजी में करियर बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले आपकी इस क्षेत्र में दिलचस्पी होना जरूरी है। इस क्षेत्र में रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और धैर्य जैसे गुण होने आवश्यक है। साथ ही सौंदर्यबोध और रंग संयोजन की अच्छी समझ हो। आज के समय में कम्युनिकेशन स्किल्स हर क्षेत्र की जरूरत है और यह क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है।

रोजगार की संभावनाएं

जेमोलॉजी के क्षेत्र में ज्वेलरी डिजायनर, प्रोडक्ट डेवलॅपमेंट ऑफिसर, मर्केडाइजर, सेल्स ऐंड मार्केटिंग प्रोफेशनल, कॅन्सल्टेंट, कैड-डिजायनर,रिसर्चर आदि के रूप में काम कर सकते हैं। इनके अलावा डिजाइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग और मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में संभावनाएं हैं। ऑफिस में बन जाएं ऐसे हालात, तो ये टप्स अपनाएं

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट)
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ जेमोलॉजी, नई दिल्ली
- जेमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- सरदार बल्लभ भाई पटेल सेंटर ऑफ जूलरी डिजाइन ऐंड मेन्युफैक्चर, सूरत
- जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशनकाउंसिल, जयपुर
- द जेमोलॉजिकल इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- ज्वेलरी डिजाइन एंड ट्रेनिंग इंस्टीटयूट, नोएडा

आखिर क्या है शिमला समझौता, जिसे पाकिस्तान तोड़ने की दे रहा धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के साथ 1972 में हुए ऐतिहासिक शिमला समझौते को 'सस्पेंड' (स्थगित) करने की घोषणा कर दी है। यह फैसला पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की आपात बैठक के बाद सामने आया, जिसे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और भारत की कड़ी कार्रवाई के जवाब में लिया गया।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ ने बैठक के बाद कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों का उल्लंघन किया है, इसलिए पाकिस्तान अब शिमला समझौते समेत सभी द्विपक्षीय समझौतों को निलंबित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

जानें क्या है शिमला समझौता?

1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद 2 जुलाई 1972 को शिमला में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच यह समझौता हुआ था। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच शांति और स्थिरता स्थापित करना था।

इस समझौते के तहत भारत और पाकिस्तान ने सभी मुद्दे आपसी बातचीत से सुलझाने पर सहमति जताई। बल प्रयोग न करने का संकल्प लिया। नियंत्रण रेखा (एलओसी) की पुनः स्थापना की गई। भारत ने 93,000 पाकिस्तानी युद्धबंदियों को बिना शर्त रिहा किया।

भारत की प्रतिक्रिया क्या होगी?

कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, भारत फिलहाल आधिकारिक प्रतिक्रिया देने से बच रहा है, लेकिन यह स्पष्ट है कि अगर पाकिस्तान समझौते को औपचारिक रूप से रद्द करता है, तो भारत भी किसी समझौते या सीमा अनुबंध से बंधा नहीं रहेगा। इससे नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तनाव और बढ़ सकता है।

रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि यह पाकिस्तान की कूटनीतिक हताशा को दर्शाता है। अगर वह शिमला समझौते को रद्द करता है, तो वह यह स्वीकार करेगा कि वह अब कश्मीर मुद्दे को बातचीत से नहीं, बल्कि टकराव से सुलझाना चाहता है। वरिष्ठ सामरिक विश्लेषक के अनुसार, शिमला समझौते का टूटना न केवल द्विपक्षीय वार्ता को समाप्त करेगा, बल्कि यह सीमा पर संघर्ष की संभावनाएं भी बढ़ाएगा। पाकिस्तान खुद को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कमजोर स्थिति में धकेल रहा है।

ऐसे हालात में शिमला समझौते को निलंबित करने की पाकिस्तान की धमकी फिलहाल एक राजनीतिक दबाव की रणनीति प्रतीत हो रही है। बावजूद इसके यदि यह वास्तव में रद्द किया गया, तो इसका असर द्विपक्षीय संबंधों, सीमाई शांति और दक्षिण एशिया की स्थिरता पर गहरा पड़ेगा।

जांच में खुलासा : आतंकियों की मदद कर रहे थे 15 कश्मीरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम के आतंकी हमले को लेकर एजेंसियों का भी दावा है कि इस हमले में कश्मीर के कुछ स्थानीय लोगों की भी मिलीभगत थी। इलेक्ट्रिक सर्विलांस के जरिए कम से कम 15 कश्मीर ओवरग्राउंड वर्कर्स और आतंकियों की पहचान हुई है जो कि पाकिस्तानी आतंकियों की मदद कर रहे थे। एजेंसियों का कहना है कि इन लोगों ने आतंकियों के लिए लॉजिस्टिक की व्यवस्था की। इसके अलावा पाकिस्तान से आए हथियारों को भी अपने पास रखा। आतंकी हमले को ऐसे वीडियो सामने आ रहे हैं जिन्हें देखकर लोगों के दिल दहल गए। सूत्रों का कहना है कि एजेंसियों ने कम से कम पांच मुख्य आरोपियों की धरपकड़ की कोशिश की जिनमें से तीन को उठा लिया गया। पुलिस अन्य दो ओजीडब्लू की तलाश कर रही है। पता चला है कि कश्मीर में स्ट्राइक के दिन वे भी उसी इलाके में मौजूद थे। उनके मोबाइल फोन भी चालू थे। इलेक्ट्रिक सर्विलांस से पता चला है कि सभी मुख्य आरोपी पाकिस्तानी आतंकियों के बारे में आपस में मोबाइल से चैट कर रहे थे। सूत्रों का कहना है कि कम से कम 200 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। सूत्रों का कहना है कि इस बात के पुख्ता सबूत मिल रहे हैं कि ये पांच ओवरग्राउंड वर्कर आतंकी हमले में बड़ी भमिका निभा रहे थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस, इंटेलिजेंस ब्यूरो रॉ और एनआईए की टीम इनसे पूछताछ कर रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने साउथ कश्मीर के कम से कम 15 लोगों की लिस्ट तैयार की है जो कि आतंकियों का सहयोग करते हैं। कश्मीर में पिछले कुछ सालों में हुए हमलों में भी उनकी सक्रिय भूमिका थी। वे जंगलों में आतंकियों के लिए खाने-पीने का इंतजाम, हथियार और लॉजिस्टिक की व्यवस्था करते हैं।

चारधाम यात्रा: भीड़ के सैलाब को संभालने और व्यवस्था बनाए रखने की योजना तैयार

देहरादून (**एजेंसी**)। चारधाम यात्रा में आने वाली भीड़ को संभालने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तराखंड सरकार ने विशेष योजना तैयार की है। चारधाम यात्रा मार्ग यातायात और यात्री सुविधाओं की पड़ताल के लिए सरकार ने परिवहन अधिकारियों की टीम को उतार दिया। परिवहन सचिव बृजेश संत ने चारधाम यात्रा रूट पर यातायात व्यवस्थाओं की निगरानी और अध्ययन के लिए सरकार ने परिवहन विभाग की तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। उपायुक्त-परिवहन राजीव मेहरा की अगुआई में बनी टीम में चारधाम यात्रा के नोडल अफसर देहरादून के आरटीओ-प्रशासन संदीप सैनी और पौड़ी के आरटीओ द्वारका प्रसाद भी इस टीम में है। शनिवार को टीम केदारनाथ रूट पर रवाना हो गई।

एसएसपी अजय सिंह ने आगामी चारधाम यात्रा में वाहनों का दबाव बढ़ने की स्थिति में रूट डायवर्जन प्वाइंट चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यात्रा मार्गों पर साइन बोर्ड लगाने के लिए भी कहा। एसएसपी ने शनिवार को शिमला बाईपास नया गांव में यात्री रजिस्ट्रेशन सेंटर और होल्डिंग एरिया का निरीक्षण किया। सरकार ने चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों और ड्राइवरों के लिए सुझाव पत्र बनाया है। यात्रियों से अपील है कि वह ऐसे वाहनों से यात्रा ना करें, जिनके टायर घिसे या रिट्रेटेड हों। ड्राइवरों को चप्पल पहनकर वाहन नहीं चलाने की सलाह दी है। यह जानकारी यात्रा के नोडल अधिकारी एवं आरटीओ देहरादून संदीप सैनी ने दी है।

इसके साथ ही पार्किंग सहित अन्य सुविधाओं का ब्योरा भी जुटा लिया गया है। बीते वर्षों से सबक लेते हुए इस बार सरकार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। इस बार ऐसा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से पहले से तैयारी कर ली गई है। धामों में अत्यधिक भीड़ बढ़ने और आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को चिह्नित हॉल्टिंग प्वाइंट पर रोक दिया जाएगा। भीड़ प्रबंधन का यह कार्य राजधानी देहरादून में पटेल भवन में बनाए गए चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम से किया जाएगा। इसको लेकर उत्तराखंड पुलिस विभाग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने कहा कि चारधाम यात्रा में भीड़ प्रबंधन को लेकर शासन स्तर पर निर्देश प्राप्त हुए थे। इसके क्रम में पटेल भवन में चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम की स्थापना कर ली गई, जो शीघ्र ही काम करने लगेगा। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन को लेकर भी कार्ययोजना तैयार की गई है। कंट्रोल रूम चारधाम यात्रा से जुड़े जिलों से समन्वय बनाते हुए हुए कार्य करेगा।

लोग धैर्य रखें, सरकार पहलगाम हमले के गुनाहगारों पर कर रही कार्रवाई : जनरल वी के सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी के सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रविवार को जनता से धैर्य रखने की अपील की और कहा कि सरकार कार्रवाई कर रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेना प्रमुख सिंह विक्रम विश्वविद्यालय में एक समारोह को संबोधित करने के लिए उज्जैन में थे।

सिंह ने पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''... सरकार इस पर कुछ कार्रवाई कर रही है। हम सभी को धैर्य रखना चाहिए और भविष्य में सतर्क रहना चाहिए, ताकि अगर हमें कुछ भी असामान्य दिखाई दे, तो हम पहले से ही इसका पता लगा सकें।''

भारत और पड़ोसी देश के बीच तनाव के बीच पाकिस्तान की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सिंह ने कहा, ''आप पाकिस्तान के बारे में बात क्यों कर रहे हैं? हमारे देश के बारे में बात करें।''

विश्वविद्यालय के छात्रों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि उन्होंने भविष्य में देश को चलाने वाले युवाओं से कहा है कि उन्हें खुद को सशक्त बनाने की जरूरत है। विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के बाद उन्होंने प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखना भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा था कि भारत ऐसा बदला लेगा जिसकी पाकिस्तान ने कल्पना भी नहीं की होगी। उन्होंने कहा था, ''पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी। इस हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई तो किसी ने जीवनसाथी खोया। आज पूरे देश में इस बात का आक्रोश है।

युद्ध के भय से सहमें सीमा करीब के गांव, बंकरों की सफाई और फसलों की कर रहे जल्द कटाई

जम्मू (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच जम्मू-कश्मीर की अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास बसे गांवों में चिंता और भय का माहौल गहरा गया है। सीमा से सटे इलाकों में लोग सतर्क हो गए हैं। कई जगहों पर ग्रामीणों ने अपने बंकरों की सफाई भी करना शुरू कर दी है। यही नहीं गेहूं की फसल को भी समय से पहले काटी जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षित रह सकें।

गौरतलब है कि भारत 3,323 किलोमीटर लंबी सीमा पाकिस्तान के साथ साझा करता है, जिसमें जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में 221 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा और 744 किलोमीटर नियंत्रण रेखा शामिल है। वर्ष 2021 के बाद संघर्षविराम उल्लंघन में गिरावट आई थी, लेकिन हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने फिर से चिंता बढ़ा दी है। इस हमले में दो दर्जन से ज्यादा निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है।

सरकार ने पहले ही सीमा के पास रहने वालों की सुरक्षा के लिए व्यापक तैयारी कर रखी है। दिसंबर 2017 में जम्मू, कठुआ और सांबा जिलों में 14,460 व्यक्तिगत और सामुदायिक बंकरों के निर्माण को मंजूरी दी गई थी। इसके बाद 4,000 से अधिक अतिरिक्त बंकरों को भी स्वीकृति दी गई।

आरएसपुरा सेक्टर के त्रेवा गांव की पूर्व सरपंच बलबीर कौर ने स्थानीय मीडिया से कहा, कि कोई नहीं जानता कि आगे क्या होगा। हमने अंडरग्राउंड बंकर तैयार करने का फैसला किया ताकि सीमा पार से गोलाबारी की स्थिति में खुद को सुरक्षित कर सकें। उन्होंने कहा कि हम अपनी भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। बंकर सफाई अभियान की निगरानी कर रहीं बलबीर कौर का कहना है कि हम चाहते हैं कि सरकार सीमा पार बैठे आतंकवादियों और उनके आकाओं के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करे। जिन्होंने निर्दोषों की हत्या की है, उनका पूरी तरह से सफाया होना चाहिए। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि गांवों में गेहूं की कटाई का काम भी तेजी से चल रहा है। महिलाएं बंकरों की सफाई कर रही हैं और पुरुष खेतों में फसल काटने में व्यस्त हैं। हम बिना हथियार के सैनिक हैं और देश की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

सांबा, कठुआ, पुंछ और राजौरी जिलों से भी ऐसी ही रिपोर्ट सामने आ रही हैं, जहां ग्रामीण सतर्कता बरत रहे हैं। पुंछ जिले के सलोत्री गांव के निवासी बताते हैं कि हम हमेशा की तरह अपने सैनिकों के साथ मजबूती से खड़े हैं और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। वर्तमान में जम्मू क्षेत्र की सीमाएं शांत हैं, लेकिन घाटी में हाल के दिनों में संघर्षविराम उल्लंघन की घटनाएं बढ़ी हैं।

क्या कहती है खुफिया रिपोर्ट

यहां खुफिया रिपोर्ट की बात करें तो दक्षिण कश्मीर के पहलगाम और अनंतनाग जिलों में आतंकियों की घुसपैठ और आतंकी नेटवर्क को फिर से सक्रिय करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इसी को देखते हुए भारतीय सुरक्षाबलों ने इलाके में गश्त और निगरानी को और अधिक बढ़ा दिया है।

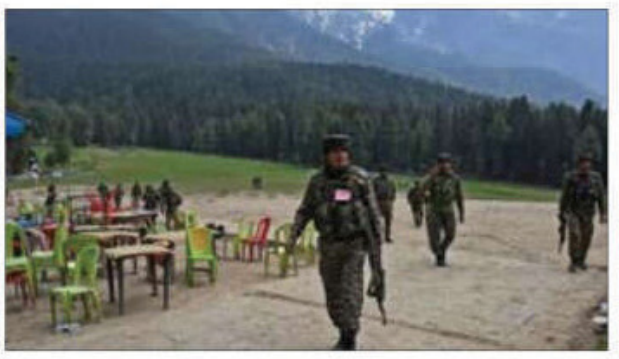

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 29 अप्रैल 2025

सुरक्षा बलों ने टीटीपी के 41 आतंकवादियों को मार गिराया

पेशावर। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) समूह के कम से कम 41 आतंकवादी अफ़ग़ानिस्तान से पाकिस्तान में घुसपैठ की कोशिश के दौरान एक मुठभेड़ में मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि सशस्त्र लड़ाके शुक्रवार रात को उत्तरी वज़ीरिस्तान कबायली जिले के बिबकर घर इलाके के पास छिपे हुए थे, तभी सुरक्षा बलों के साथ उनकी मुठभेड़ हुई। अधिकारी ने कहा, "उनमें से अधिकांश अफ़ग़ान नागरिक थे। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने बचे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए इलाके में तलाश अभियान शुरू किया।

फ्रांस की मस्जिद में मुस्लिम श्रद्धालु की हत्या करने का आरोपी अब भी फरार

पेरिस। फ्रांस के दक्षिण में स्थित एक मस्जिद में एक मुस्लिम श्रद्धालु की हत्या करने के आरोपी व्यक्ति को रविवार को भी नहीं पकड़ा जा सका। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री फ्रेंचेइस बायरू ने इस घटना को इस्लामोफोबिक कृत्य करार दिया। इस्लामोफोबिक से आशय इस्लाम या मुसलमानों के प्रति नापसंदगी या पूर्वाग्रह को प्रदर्शित करने से है। पीड़ित की शुक्रवार को जब चाकू से हमला करके हत्या की गई, तब दोनों व्यक्ति पूर्व खनन शहर ला ग्रैंड कॉम्बे की मस्जिद में अकेले थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार हमलावर ने कथित तौर पर अपने फोन पर हमले को रिकॉर्ड किया था।

नेपाल में 4.0 तीव्रता का भूकंप, नुकसान की सूचना नहीं

काठमांडू। नेपाल के उत्तर-पश्चिमी डोल्पा जिले में रविवार को तड़के 4.0 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र ने यह जानकारी दी।जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र डोल्पा के कंजीरोबा में था और तड़के 3.06 बजे झटके महसूस किए गए।

मस्क की लोकप्रियता घटी: एपी एनओआरसी सर्वेक्षण

वाशिंगटन। एलन मस्क ने दिग्गज कारोबारी और दूरदर्शी तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में अपनी छवि बनाने के लिए वर्षों मेहनत की, आलोचकों और संशयवादियों को दरकिनार करते हुए वह पृथ्वी पर सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। लेकिन एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च द्वारा कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार, हाल के महीनों में अमेरिका की सत्ता में शक्तिशाली स्थान ग्रहण के बाद से उनकी लोकप्रियता में गिरावट आ रही है। सर्वेक्षण के मुताबिक अमेरिका के सिर्फ 33 प्रतिशत वयस्क ही मस्क के बारे में सकारात्मक राय रखते हैं। मस्क को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय सरकार का आकार घटाने और उसमें आमूलचूल परिवर्तन करने की जिम्मेदारी दी है।

काठमांडू में झड़पों के दौरान सात शिक्षक, कुछ पुलिसकर्मी घायल

काठमांडू। नेपाल के काठमांडू शहर में रविवार को शिक्षा में सुधार और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान दो पक्षों के बीच हुई झड़प में कम से कम सात शिक्षक और कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि पुलिस ने काठमांडू के नया बनेश्वर क्षेत्र के प्रतिबंधित इलाके में प्रवेश करने के मकसद से सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश कर रहे हजारों आंदोलनकारी शिक्षकों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और पानी की बौछार की। झड़पों में कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए है। देश के विभिन्न भागों से आए हजारों स्कूल शिक्षक स्कूली शिक्षा में सुधार तथा वेतन एवं भत्तों में वृद्धि की मांग को लेकर काठमांडू में लगभग एक महीने से प्रदर्शन कर रहे है।

संदिग्ध ने रूसी जनरल की हत्या की बात स्वीकार

कहा यूक्रेन से इसके लिए धन मिला था : रूस

मॉस्को

रूस के एक सैन्य अधिकारी की कार बम विस्फोट कर हत्या करने के संदिग्ध व्यक्ति ने आतंकवाद के आरोपों को स्वीकार किया है और इसके साथ ही उसने कहा है कि उसे इसके लिए यूक्रेन की सुरक्षा सेवा द्वारा भुगतान किया गया था। रूस के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। जांच समिति ने कहा कि आरोपी इग्नात कुज़िन ने स्वीकार किया है कि उसे रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ में मुख्य परिचालन विभाग के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव मोस्कलिक की हत्या के लिए पैसे दिए गए थे। मोस्कलिक की शुक्रवार को मास्को के ठीक बाहर बालाशिखा में उनकी कार में बम विस्फोट में मौत हो गई थी। यूक्रेन के अधिकारियों ने इस हमले के सिलसिले में अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। पिछले चार महीनों में दूसरा हमला है, जिसमें एक शीर्ष रूसी सैन्य अधिकारी को निशाना बनाया गया है। इसके लिए रूस ने पड़ोसी देश यूक्रेन को दोषी ठहराया था। लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव की मृत्यु 17 दिसंबर, 2024 को हुई, जब उनके अपार्टमेंट की इमारत के बाहर पार्क किए गए इलेक्ट्रिक स्कूटर में रखा बम फट गया। उस वक्त वह अपने कार्यालय के लिए निकले थे। यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी ने स्वीकार किया कि इस हमले में उसका हाथ था। किरिलोव रूस के विकिरण, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख थे। इस हमले में किरिलोव के सहायक की भी मौत हो गई थी। यूक्रेन में संघर्ष के लिए किरिलोव पर ब्रिटेन और कनाडा सहित कई देशों ने प्रतिबंध लगा रखा था।

इजराइली हमले में 51 लोगों की मौत: गाजा का स्वास्थ्य मंत्रालय

(गाजा पट्टी)

इजराइल का हमला जारी रहने के बीच गाजा पट्टी के अस्पतालों में पिछले 24 घंटों में 51 फलस्तीनियों के शव लाए गए। स्थानीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि इसी के साथ ही पिछले डेढ़ साल से चल रहे इजराइल-हमास युद्ध में मरने वालों फलस्तीनियों की संख्या 52,243 हो गई है। इजराइल ने 18 मार्च को अचानक बमबारी करके हमास के साथ अपने युद्ध विराम को समाप्त कर दिया और तब से वह प्रतिदिन हमला कर रहा है। उधर, सशस्त्र सैन्यबलों ने एक बफर ज़ोन का विस्तार किया है और दक्षिणी शहर रफाह को घेर लिया है, और अब लगभग 50प्रतिशत क्षेत्र पर उनका नियंत्रण है। इज़राइली अधिकारियों का कहना है कि नए सिरे से आक्रामक कार्वाई और कड़ी नाकाबंदी का उद्देश्य हमास पर सात अक्टूबर, 2023 को हमले के दौरान अगवा कर बंधक बना लिए गए लोगों को रिहा करने के लिए दबाव डालना है, जिसके कारण युद्ध शुरू हुआ था। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के नष्ट होने या निरस्त्र होने और सभी बंधकों को वापस किए जाने तक युद्ध जारी रखने को ठाना है। हमास ने कहा है कि फलस्तीनी बंदियों के बदले वह केवल शेष 59 बंधकों को रिहा करेगा – जिनमें से 24 के जीवित होने की संभावना है, एक स्थाई युद्ध विराम और गाजा से इजराइल की पूर्ण वापसी की मांग करेगा, जैसा कि जनवरी में हुए अब समाप्त हो चुके युद्ध विराम में कहा गया था। हमास के नेतृत्व वाले उग्रवादियों ने सात अक्टूबर के हमले में लगभग 1,200 लोगों को मार डाला था और 251 लोगों को बंधक बना लिया था। उनमें से जूयादातर को युद्धविराम समझौतों या अन्य समझौतों के तहत रिहा कर दिया गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मरने वाले फलस्तीनियों में जूयादातर महिलाए और बच्चे हैं, लेकिन यह नहीं बताया कि कितने आतंकवादी या नागरिक थे। मंत्रालय ने कहा कि युद्ध में 117,600 लोग घायल हुए हैं।

कनाडा : उत्सव के दौरान भीड़ में गाड़ी घुसा दिए जाने से नौ लोगों की मौत, कई अन्य घायल

वैंकूवर। कनाडा के वैंकूवर शहर में फिलिपिनो समुदाय के विरासत उत्सव के दौरान एक व्यक्ति द्वारा भीड़ में गाड़ी घुसा दिए जाने के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। वैंकूवर पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि घटना शनिवार रात 8:14 बजे हुई, जब लोग लापु लापु दिवस उत्सव में शामिल होने के लिए एकत्र हुए थे। घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं लेकिन अभी तक घायलों की संख्या का ब्योरा नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि वैंकूवर निवासी 30 वर्षीय एक व्यक्ति को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया है तथा विभाग का प्रमुख अपराध अनुभाग जांच की निगरानी कर रहा है। रविवार सुबह पुलिस विभाग ने पोस्ट किया, इस समय, हमें विश्वास है कि यह घटना आतंकी कृत्य नहीं है। यह उत्सव दक्षिण वैंकूवर क्षेत्र में मनाया जा रहा था। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में हादसे की चपेट में आए लोग सड़क पर पड़े देखे जा सकते हैं जिनमें कम से कम सात लोग अचेत नजर आ रहे हैं। घटनास्थल की तस्वीरों में काले रंग की एक एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) दिखती है जिसका अगला हिस्सा टूटा हुआ है। वैंकूवर के मेयर केनेथ सिम ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मैं आज लापु लापु दिवस समारोह में हुई भयावह घटना से स्तब्ध और अत्यंत दुखी हूं। इस अत्यंत कठिन समय में हमारी संवेदनाएं प्रभावित सभी लोगों तथा वैंकूवर के फिलिपिनो समुदाय के साथ हैं। राष्ट्रीय जनगणना करने वाली एजेंसी स्टैटिस्टिक्स कनाडा के अनुसार, 2021 में वैंकूवर में फिलिपिनो मूल के 38,600 से अधिक लोग रह रहे थे, जो शहर की कुल आबादी का 5.9 प्रतिशत हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और अन्य राजनीतिक नेताओं ने घटना पर दुख व्यक्त किया तथा पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

रोम बेसिलिका में पोप फ्रांसिस का समाधि स्थल जनता के लिए खुला, श्रद्धालुओं ने दी श्रद्धांजलि

वेटिकन सिटी। रोम के कैथोलिक श्रद्धालुओं ने रविवार से पोप फ्रांसिस के अंतिम विश्राम स्थल पर पहुंचना शुरू कर दिया। इस अंतिम विश्राम स्थल को जनता के लिए खोले जाने के बाद श्रद्धालुओं ने सेंट मैरी मेजर बेसिलिका में स्थित सफेद रंग के समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। एक दिन पहले ही दुनियाभर की दिग्गज हस्तियों समेत हजारों लोगों की भीड़ ने पोप फ्रांसिस को अंतिम विदाई दी थी। समाधि स्थल (अंतिम विश्राम स्थल) पर एक सफेद गुलाब रखा गया था जिस पर फ्रांसिस्कस लिखा था – जो लैटिन भाषा में पोप का नाम है। समाधि पर एक रोशनी अपनी आभा बिखेर रही थी और उसके ऊपर की दीवार पर दिवंगत पोप के पेक्टोरल क्रॉस की प्रतिकृति थी। लोग आगे बढ़ रहे थे, कई लोग अपने फोन से तस्वीरें खींच रहे थे। व्यवस्थापक लोगों से आगे बढ़ते रहने का आग्रह कर रहे थे ताकि समाधि के दर्शन के लिए रोम बेसिलिका में उमड़ी हजारों की भीड़ को व्यवस्थित किया जा सके। समाधि स्थाल के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लग गई थीं। एलियास कैरवलहाल ने कहा, पोप फ्रांसिस मेरे लिए एक प्रेरणा, एक मार्गदर्शक थे। कैरवलहाल रोम में रहते हैं, लेकिन जब ईस्टर सोमवार को 88 वर्ष की आयु में उनके निधन के बाद सेंट पीटर बेसिलिका में उनका पार्थिव शरीर दर्शन के लिए रखा गया था, तब वे फ्रांसिस को श्रद्धांजलि देने में असमर्थ थे। उन्होंने कहा कि वे समाधि पर उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए उन्हें धन्यवाद देने के लिए आए थे।

द. कोरिया की मुख्य विपक्षी पार्टी ने म्यूंग को राष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाया

सियोल। दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी पार्टी ने रविवार को अपने नेता ली जे-म्यूंग को आगामी तीन जून को होने वाले चुनाव के लिए राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया। ली एक उदारवादी नेता हैं और दक्षिण कोरिया में अधिक आर्थिक समानता तथा उत्तर कोरिया के साथ मधुर संबंध चाहते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा कि ली ने रविवार को संपन्न हुए पार्टी के प्राइमरी चुनाव में दो प्रतिद्वंद्वियों को पराजित करते हुए लगभग 90 प्रतिशत मत हासिल किए। रूढ़िवादी राष्ट्रपति यून सूक एओल को हाल में पद से हटा दिया गया था। पूर्व राष्ट्रपति यून सुक एओल को पद से हटाए जाने संबंधी न्यायालय के निर्णय के बाद से ही ली को अगले राष्ट्रपति चुनाव में सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था। ली 2022 के चुनाव में यून से मामूली अंतर से पीछे रह गए थे। ली ने ही यून को हटाने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के अभियान का नेतृत्व किया था। दरअसल पूर्व राष्ट्रपति यून ने देश में अचानक मार्शल लॉ लागू करने की घोषणा करके देश को हैरत में डाल दिया था।

बैटरी की भविष्यवाणी,यातायात का अनुमान लगाने जैसा

मिसौरी (अमेरिका)

लिथियम-आयन बैटरी दुनिया के बड़े हिस्से को बिजली दे रही हैं। इसका इलेक्ट्रिक वाहन और स्मार्टफोन जैसे उपकरणों में भी इस्तेमाल होता है। बैटरी से लोगों के ऊर्जा भंडारण और इस्तेमाल के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव आया है। लेकिन जैसे-जैसे ए बैटरी दैनिक जीवन का हिस्सा बनती जा रही हैं, वैसे-वैसे इनके प्रबंधन और ऊर्जा को सुरक्षित, कुशलतापूर्वक और विवेकपूर्ण ढंग से संग्रहीत करने की चुनौतियों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।लिथियम-आयन बैटरी को दोबारा रिजार्च किया जा सकता है।मैं एक यांत्रिक अभियंता हूं जो इन बैटरी का अध्ययन करता हूं। वे दशकों से मौजूद हैं, फिर भी मेरे जैसे शोधकर्ता अभी भी पूरी तरह से समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ए बैटरी कैसे व्यवहार करती हैं।बैटरी सरल लग सकती हैं, लेकिन वे उतनी ही जटिल हैं, जितना कि वास्तविक दुनिया में लोग इनका इस्तेमाल करने के लिए सोचते हैं। बड़ी तस्वीर-मूलत: लिथियम-आयन बैटरी दो विद्युत ध्रुवों या इलेक्ट्रोड के बीच लिथियम तत्व के आवेशित कणों, जिन्हें आयन कहते हैं, की गति पर निर्भर करती हैं। ए बैटरी कितनी ऊर्जा संग्रहीत करती हैं और कितनी अच्छी तरह काम करती हैं, यह कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें तापमान और बैटरी की भौतिक संरचना शामिल है। दुनियाभर में, शोधकर्ता इनमें से प्रत्एक कारक के बारे में अलग-अलग और एक-दूसरे के साथ मिलकर सवालों के जवाब देने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ शोध बैटरी के खराब होने की गणना करने पर केंद्रित हैं। अन्य परियोजनाएं चरम स्थितियों में सुरक्षा से निपट रही हैं, जैसे कि चरम जलवायु में तेज चार्जिंग का उपयोग – चाहे गर्म हो या ठंडा। कई लोग पूरी तरह से नई सामग्रियों की खोज कर रहे हैं जो बैटरी को सस्ता, लंबे समय तक चलने वाला या सुरक्षित बना सकती हैं। आपके इलेक्ट्रिक वाहन की बैटरी प्रणाली में वास्तविक समय की निगरानी एक जांच की तरह काम करती है: यह वोल्टेज, करंट और तापमान पर नजर रखती है ताकि यह अनुमान लगाया जा सके कि कितनी ऊर्जा शेष है।इस चुनौती को समझने का सबसे अच्छा तरीका शहर के यातायात के बारे में सोचना है। मान लीजिए कि आप शहरभर में वाहन चलाना चाहते हैं और यह निर्धारित करना चाहते हैं कि आपकी कार में सबसे अच्छे मार्ग पर यात्रा करने के लिए पर्याप्त चार्ज है या नहीं। लेकिन इसे चलाने में एक घंटा लग सकता है, तब तक परिस्थितियां बदल चुकी होंगी और जवाब संभवत: गलत होगा। यदि आप अभी कोई निर्णय लेने की कोशिश कर रहे हैं तो यह मददगार नहीं है। एक सरल मॉडल के जरिए यह माना जा सकता है कि हर सड़क साफ है और हर कार गति सीमा पर चल रही है। लेकिन जब यातायात अधिक होता है या सड़क बंद होती है तो इसके परिणाम बहुत गलत होते हैं। यह भीड़-भाड़ वाले घंटों की वास्तविकता को नहीं दर्शाता है। जब आप गाड़ी चला रहे हों, तो बैटरी प्रबंधन प्रणाली इसी प्रकार की गणना करेगी ताकि यह पता चल सके कि बाकी यात्रा के लिए कितनी चार्जिंग उपलब्ध है। गति और सटीकता के बीच यह समझौता आज बैटरी मॉडलिंग अनुसंधान के केंद्र में है। वैज्ञानिक और अभियंता इसे हल करने के कई तरीके खोज रहे हैं।

ओबेन का बढ़िया और सस्ता बैटरी प्रोटेक्शन प्लान

भारत की घरेलू और रिसर्च बेस्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने कस्टमर्स के विश्वास और प्रोडक्ट की गारंटी का नया मानदंड स्थापित किया है। कंपनी का 1 मई से शुरू होने वाला नया प्रोटेक्ट 8.80 प्लान सिर्फ9999 में 8 साल या 80,000 किलोमीटर तक की बैटरी वारंटी देता है। यात्री इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल सेगमेंट में यह अपनी तरह की पहली पेशकश है जो ओबेन की परफॉरमेंसए रिलायबिलिटी और कस्टमर्स फर्स्ट इनोवेशन के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ब्रांड के ओबेन प्रोटेक्ट प्लेटफॉर्म के तहत दी जा रही इस वारंटी में बैटरी की पूरी गारंटी मिलती है जिसमें बैटरी की रिप्लेयरिंग, बैटरी चेंज करना और बैटरी से जुड़ी हर तरह की खराबी शामिल है ताकि कस्टमर्स सालों तक बेफिक्र होकर राइड कर सकें। ओबेन की खुद की बनाई हाई.परफॉर्मेंस लिथियम आयरन फॉस्फेट ;बैटरी तकनीक है। ओबेन इलेक्ट्रिक की फाउंडर और सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने हमने रोजमर्रा की इलेक्ट्रिक बाइक का एक्सपीरियंस ही बदल दिया है। यह नया बैटरी प्रोटेक्ट प्लान हमारी तकनीक में हमारे पूरे भरोसे और कस्टमर्स को लंबे समय तक संतुष्टि देने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है।

शाह रुख या सलमान नहीं, माधुरी दीक्षित ने इन एक्टर्स के साथ दी सबसे ज्यादा हिट फिल्में !

बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित सिनेमा लवर्स के दिलों पर राज करती हैं। फिल्मी करियर में उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। जब जिक्र उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री का होता है, तो प्रशंसक अक्सर सलमान खान और शाह रुख खान का नाम लेते हैं। यह बात सच है कि एक्ट्रेस की जोड़ी को दोनों ही सुपरस्टार्स के साथ पसंद किया गया है, लेकिन सिनेमा की दुनिया में फिल्मों से जुड़ी हर चीज का फैसला बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से होता है। आपको हैरानी होगी, लेकिन माधुरी ने सबसे ज्यादा हिट फिल्में कुछ अन्य दिग्गज कलाकारों के साथ दी हैं। आइए देखते हैं इन सुपरस्टार्स की पूरी लिस्ट।

80 और 90 के दशक में माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की जोड़ी ने धमाल मचाया है। दोनों ने 'तेजाब', 'राम लखन', 'परिंदा', 'किशन कन्हैया', 'बेटा' जैसी फिल्मों में स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। 15 फिल्मों में साथ काम करने के बाद उनकी 5 से ज्यादा फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई है। सिनेमाघरों के अलावा, टीवी पर भी दोनों की फिल्मों को लोगों का भरपूर प्यार मिला है।

माधुरी दीक्षित और संजय दत्त की जोड़ी पर दर्शकों ने बेशुमार प्यार लुटाया है। दोनों की हिट फिल्मों का जिक्र होता है, तो 'साजन' और 'खलनायक' जैसी मूवीज का नाम जुबां पर जरूर आता है। आईएमडीबी के मुबातिक, संजय-मधुरी की जोड़ी 11 फिल्मों में नजर आई है, जिसमें से 5 हिट और 1 एव्रेज रही है। बाकी फिल्मों का जादू बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल पाया।

माधुरी दीक्षित ने सलमान खान के साथ कुल चार फिल्मों में काम किया है, जिसमें से 3 हिट रही है। भाईजान के साथ उनकी फिल्म हम आपके हैं कौन का जिक्र जरूर होता है। इसके अलावा, बॉलीवुड के किंग खान यानी शाह रुख के साथ माधुरी ने 6 फिल्में की हैं, जिनमें से महज 2 ही हिट थीं। हालांकि, लोगों को शाह रुख के साथ माधुरी की जोड़ी पसंद जरूर आई।

फिर चुड़ैल के साये से सूखा मर्दों का हलक... स्त्री की तरह है इस हॉरर सीरीज की कहानी, साउथ की हीरोइन आ रहीं डराने

साउथ सिनेमा की सुपरहिट एक्ट्रेस समंथा रूथ प्रभु ने एक्टिंग की दुनिया में खूब नाम कमाया और बॉलीवुड में भी अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी। अब समंथा एक्टर के साथ प्रोड्यूसर भी बन गई हैं। समंथा की पहली प्रोड्यूसड फिल्म 'शुभम' 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में एक बार फिर स्त्री की तरह मर्दों का हलक सुखाने वाली कहानी देखने को मिल सकती है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जिसमें स्त्री जैसी कहानी की झलकियां भी देखने को मिली हैं। ये फिल्म भी हॉरर कॉमेडी है और नए अंदाज में पेश की जा रही है। अब इस फिल्म के ट्रेलर रिलीज के बाद सवाल खड़ा होता है कि क्या ये फिल्म भी स्त्री की तरह मर्दों पर कहर बरसाएगी। फिल्म को समंथा रूथ प्रभु ने अपने प्रोडक्शन 'त्रलाला मूविंग पिक्चर्स' के बैनर तले बनाया है। फिल्म को प्रवीण कांड्रेगुला ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में हर्षित रेड्डी, गविरेड्डू श्रीनिवास, चरण पेरी, श्रावणी लक्ष्मी, शालिनी कोंडेपुड़ी और वामशीधर गाउड जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही इस फिल्म का ट्रेलर भी बीते दिनों रिलीज हुआ था जिसे लोगों ने पसंद किया है। अब इस फिल्म को लेकर दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अब देखना होगा कि क्या ये फिल्म भी लोगों के सिनेमाघरों तक खींच सकती है या नहीं।

बता दें कि समंथा साउथ सिनेमा की बड़ी स्टार हैं और लंबे समय से फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा दिखा रही हैं। साउथ में कई सुपरहिट फिल्में देने के बाद समंथा ने बॉलीवुड में भी अपनी एक्टिंग का दम दिखाया है। बीते दिनों वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' में समंथा ने कमाल का काम किया था। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फेल रही थी। इसके बाद भी समंथा ने इस फिल्म में अपनी एक्टिंग के लिए काफी तारीफें बटोरी थीं। समंथा उन चंद एक्ट्रेस में से एक हैं जो धारदार एक्टिंग के साथ बेहतरीन एक्शन भी करती हैं। समंथा की कई फिल्में उनके किरदारों को लोगों तक पहुंचा चुकी हैं। अब समंथा ने अपना प्रोडक्शन हाउस भी शुरू कर दिया है। जिसकी पहली फिल्म शुभम 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

'45 रात, 10 से 11 घंटे पेड़ से लटके...' चुड़ैल बनकर गलत फंसी, मौनी रॉय का हुआ बुरा हाल

अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी अपकमिंग हॉरर-कॉमेडी 'द भूतनी' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, सनी सिंह और अन्य कलाकार नजर आएंगे। रिलीज की डेट नजदीक आने के साथ ही,एक्ट्रेस जोर-शोर से इसके प्रमोशन में जुट गई हैं। मौनी रॉय ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर पर्दे के पीछे की तस्वीरें और वीडियो क्लिप शेयर की हैं,जिसमें उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने 45 रातों तक लगातार 10 से 11 घंटे तक हार्नेस में लटके रहने के दौरान सीन शूट किया। उन्होंने खुलासा किया कि शुरूआत में उन्हें हार्नेस के साथ संघर्ष करना पड़ा, लेकिन आखिरकार सब कुछ लय में आ गया। द भूतनी में मौनी रॉय ने 'मोहब्बत' नाम की भूत का किरदार निभाया है। एक्ट्रेस ने सेट से जो तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, उनमें वो हवा में लहराते हुए नजर आ रही हैं। एक वीडियो क्लिप में वह हवा में तैरती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में हार्नेस से बंधे हुए होने पर उनका स्टंट साफ देखा जा सकता है। एक सीन में वो संजय दत्त के किरदार के साथ लड़ाई करती हुई दिखाई देंगी। अपने कैप्शन में उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा -हर रात पेड़ों के बीच 'सचमुच घूमते' थे। 45 रातों तक, मैंने गुरुत्वाकर्षण के साथ डांस किया, एक बार में 10/11 घंटे- मैं और मेरा हार्नेस, पहले हम पार्टनर्स नहीं थे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com